Aajeevika
National Rural Livelihoods Mission
Government of India

Kudumbashree
Kerala State Poverty Eradication Mission
Government of Kerala

Kudumbashree-National Resource Organization

# ग्राम संगठन समेकन : हकदारी और आजीविका योजना

# हकदारी योजना तैयार करने की प्रक्रिया

**समूह स्तर मांग की तैयारी:**

समूह सदस्य द्वारा बनाई हकदारी योजना प्राथमिकता के आधार पर प्रत्येक समूह मे तैयार होनी चाहिए।

**ग्राम संगठन समेकन:**

समूह स्तर की मांग को एकत्रित करके VO समेकन शीट के साथ लगाना हैं। ग्राम संगठन स्तर पर. जो हकदारी योजना की मांग समूह के बाहर से आयेगी, उनको भी इसी स्तर पर जोड़ना हैं। ये ग्राम संगठन स्तर का हकदारी योजना होगा ।

**ग्राम पंचायत समेकन:**
अगर एक पंचायत में एक से ज्यादा ग्राम संगठन हैं तो इस स्थिति में VO स्तर हकदारी योजनायें ग्राम पंचायत समेकन शीट के साथ लगा दी जाएँ। ग्राम पंचायत स्तर पर मांगो की प्राथमिकता *GP prioritization and consolidation meeting* के दौरान तय होगी| ये ग्राम पंचायत स्तर का हकदारी योजना होगा ।

ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिकता :

1. MGNREGS काम मांग
2. NSAP
3. PMAY –G

# आजीविका योजना के तीन भाग

## खेती

1. इसके अंतर्गत मांग - व्यक्तिगत व् सामूहिक दोनों हो सकते हैं। खेती अपनी ज़मीन या पट्टे पर ली गयी ज़मीन पर कर सकते हैं।
2. योजना बनाते समय यह ध्यान दें की किस तरह की मदद की आवश्यकता हैं । उसके बारे में ज़रूर लिखे. उदाहरण - बीज, खाद, ट्रेनिंग आदि।
3. आजीविका से संबंधित मांग पंचायत/ LSG ,अन्य योजना और डिपार्टमेंट के अंतर्गत भी आता हैं।
4. कृषि विभाग, हॉर्टिकल्चर विभाग, सेरिकल्चर विभाग

## पशु पालन

1. इसके अंतर्गत मांग - व्यक्तिगत व् सामूहिक दोनों हो सकते हैं।
2. पशु पालन के अंतर्गत मांग- गाय, बकरी, मछली, भैंस , सूअर और अन्य की हो सकती हैं।
3. योजना बनाते समय यह ध्यान दे की किस तरह की मदद की आवश्यकता हैं उसके बारे में ज़रूर लिखे. उदाहरण - शेड की व्यवस्था, टीका करण, बीमा आदि ।
4. आजीविका से संबंधित मांग पंचायत/ LSG और डिपार्टमेंट के अंतर्गत भी आता है।
5. पशु पालन विभाग, मछली पालन विभाग

## सूक्ष्म उद्यम

1. इसके अंतर्गत मांग - व्यक्तिगत व् सामूहिक दोनों हो सकते हैं।
2. योजना बनाते समय यह ध्यान दे की किस तरह की मदद की आवश्यकता हैं उसके बारे में ज़रूर लिखे. उदाहरण - ट्रेनिंग, सब्सिडीव् मार्किट प्रमोशन ।
3. आजीविका से संबंधित मांग पंचायत/ LSG के अंतर्गत भी आता हैं व् अन्य योजना और डिपार्टमेंट के भी ।
4. अति लघु, लघु,मध्यम उद्योग और फूड प्रोसेसिंग उद्योग

# आजीविका योजना तैयार करने की प्रक्रिया

**समूह स्तर मांग की तैयारी:**

प्रत्येक समूह में सदस्यों द्वारा बनाई गयी आजीविका योजना प्राथमिकता के आधार पर तैयार होनी चाहिए।

1. खेती: व्यग्तिगत और सामूहिक कृषि
2. पशु पालन: व्यग्तिगत और सामूहिक
3. अति लघु उद्योग: व्यग्तिगत और सामूहिक उद्युग

**ग्राम संगठन समेकन:**
समूह स्तर की मांग को एकत्रित करके VO समेकन शीट के साथ लगाना हैं ग्राम संगठन स्तर पर. जो आजीविका योजना की मांग समूह के बाहर से आयेगी उनको भी इसी स्तर पर जोड़ना हैं .ये ग्राम संगठन स्तर काआजीविका योजना होगा।

**ग्राम पंचायत समेकन:**
अगर एक पंचायत में एक से ज्यादा ग्राम संगठन हैं तो इस स्थिति में VO स्तर आजीविका योजनायें ग्राम पंचायत समेकन शीट के साथ लगा दी जाएँ। ग्राम पंचायत स्तर पर मांगो की प्राथमिकता *GP prioritization and consolidation meeting* के दौरान तय होगी| ये ग्राम पंचायत स्तर का आजीविका योजना होगा।

ग्राम पंचायत स्तर पर प्राथमिकता :
1. खेती: व्यग्तिगत और सामूहिक कृषि
2. पशु पालन: व्यग्तिगत और सामूहिक
3. अति लघु उद्योग: व्यग्तिगत और सामूहिक उद्युग

# ग्राम संगठन स्तर समेकन/ समरी शीट की तैयारी

1. प्रत्येक ग्राम संगठन में सारिणी , तिथि और समय VO concept seeding meeting के दौरान ही तैयार की जाए।

1. समूह के बाहर से आए मांग को भी इसी स्तर पर जोड़ना हैं . इसके लिए फॉर्मेट भी उपलब्ध हैं ।

2. Vulnerability Reduction Plan - समूह से बाहर के सदस्यों जानकारी लेने के लिए वल्नरबिलिटी रीडक्शन प्लान का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, ग्राम संगठन शीट समूह स्तर से आई मांग से ही बनेगी ।

# Formats

# ज़रूरी बातें

1. VO concept seeding meeting के दौरान ग्राम संगठन में सारिणि तिथि और समय के साथ तैयार की जाए।
2. ध्यान दें की ग्राम संगठन समेकन के दौरान कम से कम दो सदस्य हर समूह से उपस्थित हो।
3. समूह से बाहर के सदस्यों की मांग ग्राम संगठन स्तर समेकन में शामिल ज़रूर करें ।

# VPRP के भाग

1. हकदारी योजना
2. आजीविका योजना
3. सामाजिक विकास योजना
4. सामाजिक विकास योजना पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट योजना

# गाँव गरीबी उन्मुलन परियोजना के लिए सामाजिक विकास योजना की तैयारी

## (social development plan)

# सामाजिक विकास योजना क्या हैं?

1. ऐसी योजना जो ग्राम संगठन द्वारा चिन्हित सामाजिक मुद्दे को हल करने की कोशिश करती हैं।

2. एक योजना एक मुद्दे पर आधारित होती हैं।

3. सामाजिक विकास योजना GPDP के अंतर्गत (low cost / no cost) कम खर्च / बिना खर्च के योजना का भाग हो सकते हैं।

4. स्वयं सहायता समूह, ग्राम पंचायत और अन्य विभागों की इस योजना में अहम भूमिका हैं।

# कम खर्च/ बिना खर्च (low cost/ no cost) के योजना - GPDP गाइडलाइन्स के आधार पर

1. योजनाएँ जिनमे ज्यादा बजट की आवश्यकता नहीं होती।
2. योजनाएँ जो अधिकतम सामाजिक मुद्दों पर आधारित हैं।
3. यह व्यावहारिक बदलाव पर आधारित हैं।
4. समुदाय का मोबिलाइजेशन और समुदाय की निगरानी आवश्यक हैं।
5. ग्राम पंचायत की इस योजना में अहम भूमिका है।

# सामाजिक विकास योजना के उद्हारण

- व्यस्क साक्षरता
- कुपोषण
- घरेलु हिंसा
- प्रकृति से संबंधित विषय
- दहेज़
- मानव तस्करी और अन्य विषय

ग्राम संगठन गाँव से संबंधित किसी भी मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं।

# समाजिक विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया

- इस योजना के में बारे में VO/ PLF को VO concept seeding meeting के दौरान बताया जायेगा

**ग्राम संगठन स्तर चर्चा :**
ग्राम संगठन स्तर पर एक सामाजिक विषय पर चर्चा करना और उस पे आधारित हस्तक्षेप प्रस्ताव तैयार करना. यह चर्चा VO concept seeding meeting के बाद VO EC मीटिंग के दौरान होगा।

**ग्राम संगठन स्तर योजना की तैयारी :**
प्रशिक्षक और ग्राम संगठन के सदस्य BMMU के समर्थन से किसी भी चिन्हित समाजिक मुद्दे के ऊपर हस्तक्षेप (intervention) प्रस्ताव को प्रारूप के आधार पर एक लिखित योजना के रूप में तैयार करेंगे।

**ग्राम संगठन स्तर योजना की तैयारी/ समरी शीट :**
यदि एक से ज्यादा ग्राम संगठन एक ही सामाजिक मुद्दे को तय करते हैं तो उन्हें एकत्रित करके एक ही योजना में बदल देंगे और GP समरी शीट में जोड़ देंगे।

# Formats

# ज़रूरी बातें

1. कृपया बिना किसी सूचना के मीटिंग ना बुलाए,  समय, तिथि और जगह का निर्णय करके ग्राम संगठन की मीटींग बुलाई जाये।
2. सामाजिक विकास योजना बनाने की तैयारी मानचित्र बनाते समय भी हो सकती हैं ।
3. ध्यान दें  की ग्राम संगठन समेकन के दौरान  हर समूह से कम से कम दो सदस्य उपस्थित हो ।
4. प्रशिक्षक ग्राम संगठन के सदस्यों की चर्चा को संचालित करने में मदद कर सकते हैं ।
5. बेहतर होगा की हर  गाँव से  एक मुद्दा लिया जाये ।
6. BMMU प्रतिनिधि को चर्चा किये के बाद तय किए गये मुद्दे को योजना में बदलने में प्रशिक्षक की मदद करनी चाहिए।

कार्बीअंगलॉन्ग  में स्कूल से ड्रॉप-आउट हुए बच्चे के
पुनः नामांकन के बाद की तस्वीर

असम में  वयस्क साक्षरता की कक्षा

# VPRP के भाग

1 हकदारी योजना

आजीविका योजना

3 सामाजिक विकास योजना

4 सामाजिक विकास योजना पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट योजना

# गाँव गरीबी उन्मुलन परियोजना के लिए पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट योजना की तैयारी

# पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट क्या हैं ?

1. इस योजना का उद्देश्य संस्थानों (infrastructure ), संसाधनों और अन्य सेवाओं से संबंधित मांग को एकत्रित करना है।
2. इस योजना के अंतर्गत ग्राम संगठन स्तर पर मानचित्र बनाया जाता है ।
3. मानचित्र पर आधारित संरचना और संसाधन की मांग दर्शाए और अन्य सेवाओं की मांग को सीधे फॉर्मेट में लिखे।
4. यह सुनिश्चित करे की हर एक समूह से दो सक्रिय सदस्य उपस्थित हो।
5. मानचित्र बनाने के लिए ग्राम संगठन आसानी से मिलने वाली सामग्री जैसे- फूल, पत्ते और रंगोली का इस्तेमाल कर सकते है ।

# पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट योजना बनाने की तैयारी

1. मानचित्र बनाने के लिए *VO concept seeding meeting* के दौरान ग्राम संगठन के सदस्यों की सहमति से तिथि, समय और जगह का निश्चय करें ।
2. ध्यान दें की जिस जगह पर मानचित्र बनाने का निश्चय लिया गया है वह सबकी सहमति से हो और मानचित्र बनाने के योग्य हो ।
3. मानचित्र बनाने के लिए ग्राम संगठन के पास सामग्री जैसे- फूल, पत्ते और रंगोली उपलब्ध होनी चाहिए ।
4. सभी समूह सदस्य को पहले से समय, तिथि व स्थान की सूचना दे दी जाये।
5. मानचित्रण ग्राम संगठन के आधार पर होता है ।

# पब्लिक गुड्स और सर्विसेज मांग के उदाहरण

| पब्लिक गुड्स और सर्विसेज मांग | | | |
|---|---|---|---|
| क्रम संख्या | मांग का विवरण | क्रम संख्या | मांग का विवरण |
| 1 | सड़क | 11 | ग्राम संगठन ऑफिस] |
| 2 | आंगनवाड़ी केंद्र | 12 | कूड़ेदान |
| 3 | समुदाय भवन | 13 | अनाज का भंडार |
| 4 | चिकित्सा केंद्र | 14 | पानी पीने की व्यवस्था |
| 5 | पंचायत भवन | 15 | पुस्तकालय |
| 6 | मार्केट /हाट बाज़ार | 16 | सैनिटेरी पेड वेंडिंग मशीन |
| 7 | स्ट्रीट लाइट | 17 | हस्पताल में स्वास्थ्य कर्मचारी |
| 8 | सामुदायिक शौचालय | 18 | मिड डे मील की गुणवत्ता (quality of MDM) |
| 9 | प्रतीक्षा घर | 19 | स्कूल में अध्यापक/अध्यापिका |

# रिसोर्स डेवलपमेंट मांग के ऊदाहरण

| रिसोर्स डेवलपमेंट मांग | | | |
|---|---|---|---|
| क्रमसंख्या | मांग का विवरण | क्रमसंख्या | मांग का विवरण |
| 1 | तालाब | 8 | अग्री बांध |
| 2 | कुआं | 9 | रिंग वेल |
| 3 | नदी बांध | 10 | एमबंकमेंट |
| 4 | वर्षा जल संचयन (Rainwater harvesting) | 11 | चेक डैम |
| 5 | ट्यूब वेल | 12 | भूमि विकास |
| 6 | वृक्षारोपण | 13 | बोरवेल |
| 7 | बाड़ लगाना | 14 | एलीफेंट ट्रेंच |

# पब्लिक गुड्स, सर्विसेज और रिसोर्स डेवलपमेंट मानचित्र बनाने की प्रक्रिया

**ग्राम संगठन स्तर मानचित्र प्रक्रिया :**
मानचित्र बनाने की प्रक्रिया ग्राम संगठन स्तर पर होगी. अन्य सेवाओं की मांग पर चर्चा करे और फॉर्मेट में लिखे. सारी मांग प्राथमिकता के आधार पर लिखें ।

**ग्राम पंचायत स्तर समेकन/ समरी शीट :**
अगर पंचायत में एक से ज्यादा ग्राम संगठन हैं तो सभी ग्राम संगठन में मानचित्र बनाने के बाद मिली मांगे GP समरी शीट में जोड़ दे
ग्राम पंचायत स्तर पर मांगो की प्राथमिकता *GP prioritization and consolidation meeting* के दौरान तय होगी।

# मानचित्र कैसे बनाए?

1. गाँव की सीमा बनाएँ।
2. दिशा चिन्हित करे - उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम।
3. गाँव में जो प्रमुख नदी / धाराएँ हैं उन्हें दर्शाएँ और फिर मौजूदा लैंडमार्क को चिन्हित करें।
4. नक्शा बनने के बाद, नए संस्थानों (infrastructure) की मांग को अलग रंग से दर्शाएँ।
5. जिन मौजूदा संस्थानों को मरम्मत की ज़रुरत है- सड़क , आँगवाड़ी केंद्र इत्यादी, उन्हें एक नए रंग से दर्शाए।
6. नए संसाधन विकास मांग जैसे कुएँ, तालाब को दर्शाए।
7. जिन मौजूदा संसाधनों को मरम्मत की ज़रुरत हैं जैसे कुएँ, तालाब उन्हें दर्शाए।
8. यह सारी मांगो को फॉर्मेट में ज़रूर लिखे।

# Formats

# ज़रूरी बातें

1. मानचित्र बनाने की प्रक्रिया के दौरान पंचायत प्रधान,सदस्य, गाँव के बुजुर्ग भी उपस्थित हो सकते हैं।
2. कृपया करके बिना किसी सूचना के मीटिंग ना बुलाएँ , समय, तिथि और जगह का निर्णय करने के बाद ही ग्राम संगठन की मीटींग बुलाई जाये।
3. प्रशिक्षक को ग्राम संगठन को समझाना चाहिए की यह ज़रुरी नहीं है की इस योजना के अंतर्गत दी गई सारी माँगे पूरी होंगी।
4. हमेशा याद रखे, यह एक सहभागी प्रक्रिया हैं , जिसमे सब एक साथ मिल के योजना तैयार करते हैं ।
5. ध्यान दें की मानचित्र बनाने की प्रक्रिया के दौरान एक समूह से कम से कम दो लोग उपस्थित हो।
6. मानचित्र उसी दिन बनेगा जिस दिन ग्राम संगठन स्तर आधिकारिक और आजीविका योजना का समेकन होगा ।
7. फॉर्मेट में पब्लिक गुड्स, सर्विसेज व् रिसोर्स डेवलपमेंट मांग प्राथमिकता के आधार पर लिखे जायेंगे
8. ग्राम संगठन स्तर पर मानचित्र बनाते समय प्राथमिकता के अनुसार के कॉलम को खाली छोड़े।

उत्तरप्रदेश में पब्लिक गुड्ज़, सर्विसेज़, और
रिसोर्स डेवलपमेंट योजना बनाने की तैयारी

असम में पब्लिक गुड्ज़, सर्विसेज़, और रिसोर्स डेवलपमेंट योजना बनाने की तैयारी